Dainik Bhaskar (Indore), 22nd December 2024, Page- 02

कॉन्फ्रेंस • आईआईटी इंदौर में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, दुनियाभर से छात्र व शोधकर्ता आए

# स्टील और कांक्रीट को सस्टेनेबल बनाने के दौरान कार्बन उत्सर्जन को कम करने के बारे में बताया

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में 20 और 21 दिसंबर को सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए निर्माण सामग्री और अन्य मटेरियल तैयार करने को लेकर पहली अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इसमें दुनियाभर से छात्र और शोधकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने भविष्य के विभिन्न पदार्थ और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में उनके योगदान पर चर्चा की।

इसमें भारत, यूके, रूस, फिनलैंड, थाईलैंड और मलेशिया से शोधकर्ता और उद्योगों से जुड़े लोग शामिल हुए थे। संगोष्ठी में ऑर्गेनिक पॉलीमर और उनके उपयोगों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और आधुनिक मेटल आधारित पदार्थों पर भी चर्चा की गई। वहीं स्टील और कंक्रीट को सस्टेनेबल बनाने के दौरान होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा स्टील रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा थे।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर विनोद कुमार ने कहा कि आज हमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के महत्व को समझकर उस दिशा में काम करना बहुत जरूरी है। आने वाले समय में हमारे उत्पाद जिन पदार्थों से बनते हैं, उन्हें भी सस्टेनेबल करना होगा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के बीच मिलकर रिसर्च किए जाने की जरूरत है। यह संगोष्ठी एक प्रयास है विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को साथ लाने का, जो नए विचारों पर चर्चा कर सकें। संगोष्ठी एसपीएआरसी द्वारा आयोजित की गई थी, जिसके तहत आईआईटी इंदौर और यूनिवर्सिटी आफ प्लाईमाउथ यूके के बीच में संयुक्त रूप से शोध भी किया जा रहा है।

## प्रोग्राम के तहत स्टूडेंट एक्सचेंज के कार्यक्रम भी आयोजित किए

आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर संदीप चौधरी ने कहा कि हमारे इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य निर्माण के क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले कंक्रीट को सस्टेनेबल बनाना है। इससे पहले इसी प्रोग्राम के तहत दो बार स्टूडेंट एक्सचेंज के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं, जिसमें आईआईटी इंदौर के छात्र यूनिवर्सिटी ऑफ प्लाईमाउथ जा चुके हैं और वहां के छात्र भी आईआईटी इंदौर में आकर इस क्षेत्र में काम कर चुके हैं।